शब्दबाणों का प्रहार

मध्य भारत का सबसे लोकप्रिय अखबार

राष्ट्रबाण

सिवनी

संपादकः संजय बघेल

सोमवार 10 नवंबर 2025 | E-PAPER: www.rashtrabaan.in | वर्ष : 10 | अंक : 201 | पृष्ठ : 06 | मूल्य : 5.00 रुपए | www.facebook.com/rashtrabaan | www.twitter.com/rashtrabaan

न्यूज ब्रीफ

एएसआई ने सूर्य मंदिर के नाट मंडप में एंट्री पर रोक लगाई

भुवनेश्वर। ओडिशा के पुरी में स्थित कोणार्क सूर्य मंदिर के नाट मंडप में पर्यटकों के जाने पर रोक लगाई गई है।आर्किलोजिकल सर्वे ऑफ इंडिया के आदेश के मुताबिक टूरिस्ट्स अब नाट मंडप पर नहीं चढ़ सकेंगे। न ही वहां की पत्थर की नक्काशियों को छू सकेंगे। एएसआई के अधिकारी डी. बी. गदनायक ने बताया कि कई बार पर्यटक सेल्फी लेते समय नाट मंडप से गिरकर गंभीर रूप से घायल हो चुके हैं। कुछ लोग मंदिर की दीवारों को छूते और खरोंचते भी पाए गए हैं। इसलिए स्मारक की सुरक्षा और पर्यटकों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए यह रोक लगानी पड़ी।

दिल्ली एमसीडी उपचुनाव के लिए आप ने लिस्ट जारी की

नईदिल्ली। आम आदमी पार्टी ने 30 नवंबर को होने वाले दिल्ली म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन डिपार्टमेंट उपचुनाव के लिए पार्टी के 12 उम्मीदवारों की लिस्ट जारी की है। एमसीडी के जिन 12 वार्डों पर उप चुनाव है, उनमें दक्षिणपुरी वॉर्ड अनुसूचित जाति के उम्मीदवार के लिए रिजर्व है। वहीं शालीमार बाग-बी, अशोक विहार, द्वारका-बी, दिवाऊं कलां और ग्रेटर कैलाश वॉर्ड महिला उम्मीदवारों के लिए रिजर्व है, जबकि मुंडका, चांदनी चौक, चांदनी महल, नारायणा, संगम विहार-ए और विनोद नगर वॉर्ड में सामान्य कैटेगरी के उम्मीदवार भी नामांकन कर सकेंगे।

दिल्ली में रंजिश के चलते 6 साल के बच्चे का अपहरण

नईदिल्ली। नई दिल्ली के सुभाष प्लेस इलाके में निजी रंजिश के चलते 6 साल के बच्चे का अपहरण किया गया। इसके बाद उससे मारपीट भी की गई। पुलिस ने आरोपी मोहम्मद समीम को गिरफ्तार किया। वो शकूरबस्ती इलाके का रहने वाला है। पुलिस ने बताया कि मीम ने कबूल किया कि उसने निजी रंजिश के चलते बच्चे का अपहरण किया था।

राष्ट्रबाण

अगर आपको नहीं मिल रहा है आपका लोकप्रिय अखबार राष्ट्रबाण तो आज ही अपने हॉकर से बोलिए या हमे कॉल कीजिए

सिर्फ 100 रुपए महीना

संपर्क : 7000427433

भागवत बोले- संघ की शाखा में मुस्लिम-ईसाई भी आते हैं

हम नहीं पूछते- कौन क्या है; संघ में भगवा रंग गुरु, तिरंगे का भी बहुत सम्मान

राष्ट्रबाण | बेंगलुरु | एजेंसी | rashtrabaan.in

राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के चीफ मोहन भागवत ने कहा कि संघ की सोच समावेशी है। शाखा में मुस्लिम भी आते हैं, ईसाई भी आते हैं और हिंदू भी आते हैं। हम यह नहीं पूछते कि कौन क्या है। हम सब भारत माता के पुत्र हैं। यही संघ की कार्यशैली है।

उन्होंने कहा- हमारा किसी एक दल से कोई विशेष लगाव नहीं है। संघ की कोई पार्टी नहीं है। कोई भी पार्टी हमारी नहीं और सभी पार्टियां हमारी हैं क्योंकि वे भारतीय दल हैं। हम राष्ट्रनीति का समर्थन करते हैं, राजनीति का नहीं। हम देश को एक दिशा देना चाहते हैं। जो उस दिशा में काम करेगा, हम उसका समर्थन करेंगे। इससे पहले भागवत ने कहा था कि संघ भगवा झंडे को मानता है, तिरंगे को नहीं, इस मुद्दे पर भागवत ने कहा कि संघ में भगवा को गुरु मानते हैं, लेकिन हम तिरंगे का बहुत सम्मान करते हैं।

दरअसल, भागवत ने यह बात कर्नाटक के बेंगलुरु में विश्व संवाद केंद्र में 8-9 नवंबर तक दो दिन के 100 इयर्स ऑफ संघ जनीर्: न्यू होराइजन्स लेक्चर सीरीज में कही है। आज इसका आखिरी दिन था।

संघ हर गांव और हर वर्ग तक पहुंचेगा- संघ का लक्ष्य अब हर गांव, हर जाति और हर वर्ग तक पहुंचना है। दुनिया हमें विविधता में देखती है, लेकिन हमारे लिए यह विविधता एकता की सजावट है। हमें हर विविधता तक पहुंचना है और समाज को एक सूत्र में जोड़ना है।

भागवत बोले- संघ को तीन बार बैन किया गया

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत ने रविवार को कहा कि हमारे संगठन को व्यक्तियों के एक निकाय के रूप में मान्यता दी जाती है। संघ की 1925 में स्थापना हुई थी। क्या आपको लगता है कि ब्रिटिश सरकार इसका रजिस्ट्रेशन करती? असल में कांग्रेस आरोप लगाती है कि आरएसएस बिना रजिस्ट्रेशन के ही चलने वाला संगठन है। भागवत ने कहा कि स्वतंत्रता के बाद भारत सरकार ने रजिस्ट्रेशन कराना अनिवार्य नहीं किया। हम लोगों के समूह की श्रेणी में आते हैं और हम एक जाना-माना संगठन हैं। इनकम टैक्स विभाग और अदालतें आरएसएस को लोगों का समूह मानती हैं। हमारे संगठन को इनकम टैक्स से छूट दी गई थी। भागवत ने कहा कि संगठन को तीन बार बैन किया गया। इसके बाद हमारे संगठन को मान्यता दे दी। अगर हम नहीं थे, तो किस पर प्रतिबंध लगाया? ऐसी कई चीजें हैं, जो रजिस्टर्ड नहीं है। हिंदू धर्म भी रजिस्टर्ड नहीं है।

मोहन भागवत का संबोधन की बड़ी बातें...

एक दिन पहले भी भागवत ने इसी कार्यक्रम को संबोधित किया था। जिसमें उन्होंने हिंदू राष्ट्र को लेकर अपनी बात रखी थी। इस मौके पर आरएसएस के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले और कई सामाजिक हस्तियां मौजूद थीं।

1. भारत में सभी हिंदू है : यहां के सभी मुसलमान और ईसाई भी उन्हीं पूर्वजों के वंशज हैं। शायद वे भूल गए हैं या उन्हें भुला दिया गया है।
2. भारत को ब्रिटिशों ने नहीं बनाया, यह प्राचीन राष्ट्र है- हमारा राष्ट्र ब्रिटिशों की देन नहीं है। हम सदियों से एक राष्ट्र हैं। दुनिया के हर देश की एक मूल संस्कृति होती है। भारत की मूल संस्कृति क्या है? कोई भी परिभाषा दें, वह आखिर में 'हिंदू' शब्द पर ही पहुंचती है।
3. हिंदू होना मतलब भारत के प्रति जिम्मेदारी लेना- भारत में कोई 'अहिंदू' नहीं है। हर व्यक्ति चाहे जाने या न जाने, भारतीय संस्कृति का पालन करता है। इसलिए हर हिंदू को यह समझना चाहिए कि हिंदू होना मतलब भारत के प्रति जिम्मेदारी लेना है।
4. भारत का हिंदू राष्ट्र होना संविधान के खिलाफ नहीं- भारत का हिंदू राष्ट्र होना किसी बात के विरोध में नहीं है। यह हमारे संविधान के खिलाफ नहीं, बल्कि उसके अनुरूप है।
5. संघ ने विरोध झेला, लेकिन रुका नहीं- संघ के 100 साल पूरे होने तक का सफर आसान नहीं रहा। संघ पर दो बार प्रतिबंध लगा, तीसरी बार कोशिश हुई। स्वयंसेवकों की हत्या हुई, हमला हुआ, लेकिन संघ के कार्यकर्ता बिना स्वार्थ के काम करते रहे।

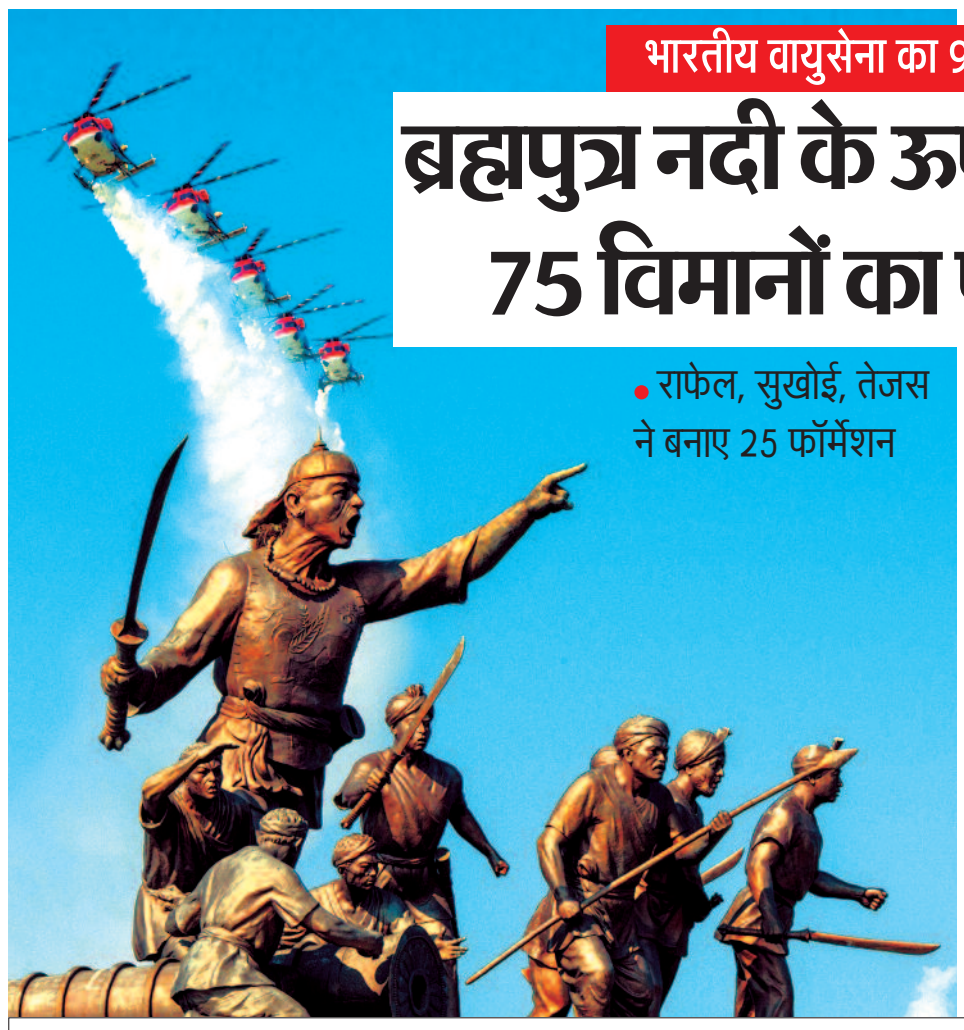

भारतीय वायुसेना का 93वां स्थापना दिवस

ब्रह्मपुत्र नदी के ऊपर लचित घाट पर 75 विमानों का फ्लाइंग डिस्प्ले

- राफेल, सुखोई, तेजस ने बनाए 25 फॉर्मेशन

राष्ट्रबाण | गुवाहाटी | एजेंसी | rashtrabaan.in

भारतीय वायु सेना के 93वें स्थापना दिवस पर नॉर्दर्न कमांड गुवाहाटी में पहला एयर शो हुआ। वायुसेना के एयर वॉरियर्स ने ब्रह्मपुत्र नदी के ऊपर लचित घाट पर 25 से ज्यादा फॉर्मेशन बनाए। इसके लिए राफेल, सुखोई, तेजस समेत 75 से ज्यादा प्लेन और हेलिकॉप्टरों ने फ्लाइंग डिस्प्ले किया। इस साल वायुसेना दिवस की थीम अचूक, अभेद्य और सटीक है, जो भारतीय वायुसेना की परिचालन क्षमता, लचीलेपन और सटीकता पर ध्यान केंद्रित करने का प्रतीक है।

सात एयरपोर्ट्स भरी उड़ान

फ्लाइंग डिस्प्ले के लिए वायुसेना के वॉरियर्स ने गुवाहाटी, तेजपुर, जोरहाट, छाबुआ, हासीमारा, बागडोगरा और पानागढ़ से उडान भरी। लड़ाकू विमानों में राफेल, सुखोई-30, अपाचे, मिग-29, आईएल-78 रिफ्यूलर, मिराज, जगुआर, सी-17 ग्लोबमास्टर, एमआई-17, एडवांस्ड लाइट हेलीकॉप्टर-एमके1, सी-130 हरक्यूलिस, एंटोनोव एएन-32 और सूर्य किरण विमान शामिल हुए।

पूर्वोत्तर के लोगों का प्रतिनिधित्व बहुत बड़ा

एयर शो के मौके पर पूर्वी वायु कमान के एयर ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ एयर मार्शल सूरत सिंह ने कहा- एयर शो के लिए हमने पूर्वोत्तर क्षेत्र को इसलिए चुना क्योंकि इस क्षेत्र के लोगों का प्रतिनिधित्व बहुत बड़ा है। यह भारतीय वायु सेना की ओर से पूर्वोत्तर के लोगों से जुड़ने का एक प्रयास है। पूर्वोत्तर के लिए गुवाहाटी प्रवेश द्वार है। उन्होंने कहा कि भारतीय वायु सेना पूर्वोत्तर में तैयारियों और अभियानों के लिए पूरी तरह तैयार है। हम सभी संभावित परिस्थितियों के लिए पूरी तरह तैयार हैं। अरुणाचल प्रदेश में कई एडवांस लैंडिंग ग्राउंड हैं। हमारे पास 8 एएलजी हैं, सभी चालू हैं।

आसिम मुनीर के लिए पाक संविधान बदल रहा

तीनों सेनाओं के प्रमुख बनेंगे, पहली बार ये पद बनाया गया; मई में फील्डमार्शल बने थे

राष्ट्रबाण | इस्लामाबाद | एजेंसी | rashtrabaan.in

पाकिस्तान आर्मी चीफ आसिम मुनीर को तीनों सेनाओं का प्रमुख बनाने के लिए संविधान में बदलाव कर रहा है। अब उन्हें देश का पहला चीफ ऑफ डिफेंस फोर्सेज बनाया जाएगा। यह भारत के चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ की तरह होगा।

यह नया पद इसलिए बनाया गया है ताकि सेना, नौसेना और वायुसेना आपस में मिलकर बेहतर तरीके से काम कर सकें और तीनों की कमान एक जगह से संभाली जा सके। इससे पहले ऑपरेशन सिंदूर के बाद इस साल 20 मई को पाकिस्तानी सरकार ने आसिम मुनीर को फील्ड मार्शल का दर्जा दिया था।

मुनीर से पहले 1959 में सैन्य तानाशाह अयूब खान ने खुद को फील्ड मार्शल घोषित कर दिया था। फील्ड मार्शल पाकिस्तान सेना में सर्वोच्च सैन्य रैंक है, जो एक फाइव स्टार रैंक मानी जाती है। यह रैंक जनरल (फोर स्टार) से ऊपर है। पाकिस्तान में फील्ड मार्शल का पद सेना, नौसेना और वायुसेना में सबसे ऊंचा होता है।

मुनीर को 6 महीने में 2 बड़े प्रमोशन

मुनीर को 6 महीने में 2 बड़ा प्रमोशन देने की तैयारी है। पाकिस्तानी मीडिया के मुताबिक चीफ ऑफ फोर्सेस बनाने का फैसला मई में भारत और पाकिस्तान के बीच हुई चार दिन की झड़प से मिली सीख के बाद लिया गया है।

पाकिस्तान ने महसूस किया कि जंग में तीनों सेनाओं के बीच बेहतर तालमेल और तुरंत एक्शन लेना बहुत जरूरी है। इसीलिए अब ऐसी यूनीफाइड कमांड सिस्टम लाई जा रही है।

बंगाल के तारकेश्वर में 4 साल की बच्ची से रेप

गाल पर दांतों से काटा, नाली में फेंक गए; दादी के पास सोई थी, मच्छरदानी काटकर उठा ले गए

राष्ट्रबाण | कोलकाता | एजेंसी | rashtrabaan.in

पश्चिम बंगाल के हुगली जिले के तारकेश्वर में एक चार साल की बच्ची से रेप का मामला सामने आया है। घटना शनिवार की है। बच्ची रेलवे शेड में अपनी दादी के पास सो रही थी, तभी आरोपी उसे मच्छरदानी काटकर उठा ले गए।

आरोपियों ने बच्ची से दुष्कर्म के बाद उसे नाली में फेंक दिया था। जब बच्ची नहीं मिली तो परिजन ने उसकी खोजबीन शुरू की। मासूम नाली के पास खून से लथपथ बेहोशी की हालत में मिली। उसके गालों पर दांतों से काटने के निशान भी थे।

बंजारा समुदाय की बच्ची को पहले लोकल हॉस्पिटल ले जाया गया। बाद में चंदननगर सब-डिवीजन हॉस्पिटल में रेफर कर दिया गया। उसकी हालत गंभीर बताई गई है। पुलिस ने बताया मामले की जांच जारी है। विधानसभा में विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी ने आरोप लगाया कि तारकेश्वर पुलिस शुरू में इस घटना पर प्राथमिकी दर्ज करने में आनाकानी कर रही थी।

उत्तरप्रदेश के गांजा तस्कर के घर 2 करोड़ कैश मिला

पुलिसवाले गिनते-गिनते थके; झोले-बोरे में रखे थे 100, 50 और 20 रुपए के नोट

राष्ट्रबाण | प्रतापगढ़ | एजेंसी | rashtrabaan.in

यूपी के प्रतापगढ़ में एक तस्कर के घर पर पुलिस ने जब छापा मारा, तो 2 करोड़ रुपए कैश मिले। पूरी रकम 100-50 और 20 रुपए के नोटों की थी। पुलिसवालों ने नोट गिनने शुरू किए, लेकिन कुछ ही देर में गिनते-गिनते थक गए। कई महिला पुलिसकर्मी तो पसीना तक पोंछने लगीं। इसके बाद पुलिस ने नोट गिनने की 4 मशीनें मंगाई और उनसे काउंटिंग पूरी की। इस पूरी घटना का वीडियो भी सामने आया है, जिसमें नोटों का अंबार दिख रहा है। 24 घंटे तक चली छापेमारी में पुलिस को घर के 3 कमरों में अलमारी, बक्से, डिब्बे और बेड के अंदर से कैश मिला। पुलिस को राजेश के घर से नोटों के अलावा 6 किलो गांजा और 577 ग्राम स्मैक भी मिली। बाजार में गांजे की कीमत 3 लाख 3 हजार 750 रुपए और स्मैक की कीमत 11 लाख 54 हजार रुपए है।

कश्मीर में पाकिस्तान का नेटवर्क, 120 जगह छापे : सिम कार्ड, डिजिटल डिवाइस जब्त

आतंकियों के मददगार 2 पुलिस अधिकारी बर्खास्त

राष्ट्रबाण | श्रीनगर | एजेंसी | rashtrabaan.in

जम्मू-कश्मीर के कठुआ जिले में दो पुलिस अधिकारियों को आतंकवादियों से संबंध रखने और उनकी मदद करने के आरोप में बर्खास्त कर दिया गया है। बर्खास्त अधिकारियों की पहचान अब्दुल लतीफ और मोहम्मद अब्बास के रूप में हुई है।

पुलिस के अनुसार, अब्दुल लतीफ आतंकवादियों के संपर्क में था और उनका सपोर्ट कर रहा था। स्नढ्ढक्र दर्ज की गई है और वह फिलहाल डोडा जेल में बंद है। वहीं दूसरे अधिकारी के खिलाफ 4 एफआईआर दर्ज हैं। कश्मीर में आतंक नेटवर्क को तोड़ने के लिए सुरक्षा एजेंसियों ने शनिवार को बड़ी कार्रवाई की। जम्मू-कश्मीर पुलिस, काउंटर इंटेलिजेंस कश्मीर और नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी (एनआईए) की संयुक्त टीमों ने 120 से ज्यादा ठिकानों पर छापेमारी की थी। छापों के दौरान मोबाइल फोन, सिम कार्ड, डिजिटल डिवाइस और अन्य सामग्री जब्त की गई थी।

जांच एजेंसियों के मुताबिक, यह ऑपरेशन खास खुफिया इनपुट के आधार पर किया गया। जानकारी मिली थी कि जेल में बंद और पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) में बैठे आर्तकियों के रिश्तेदार बडगाम, कुलगाम और शोपियां जैसे दूरदराज इलाकों से उनके संपर्क में हैं। इन पर भारत में पाकिस्तान का प्रोपेगेंड फैलाने का आरोप है। गांदरबल में 60 से ज्यादा घरों की तलाशी ली गई। ये घर या तो जेल में बंद आर्तकियों के या फिर पाक में सक्रिय आर्तकियों के परिजनों के हैं।

किशनगंज में राहुल बोले- हमारे आरोप सही, इसलिए बोलती बंद है; ये वोट चोर हैं

मेरे हाइड्रोजन बम पर ईसी और मोदी चुप क्यों

राष्ट्रबाण | किशनगंज | एजेंसी | rashtrabaan.in

राहुल गांधी ने रविवार को किशनगंज में महागठबंधन के कैंडिडेट्स के समर्थन में सभा की। इस दौरान उन्होंने मोदी और चुनाव आयोग पर जमकर निशाना साधा। राहुल ने कहा, ये लोग हरियाणा, महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश में वोट चोरी कर के सरकार बना चुके हैं। बिहार में भी ये यही करने वाले हैं।

उन्होंने पूछा, आपने हरियाणा वाला हाइड्रोजन बम देखा है या नहीं। मैंने इन लोगों को बोलती बंद दी है। मैंने आरोप लगाया कि मोदी और चीफ इलेक्शन कमिश्नर वोट चोरी कर रहे हैं।

मोदी ने एक बार भी नहीं कहा कि राहुल गांधी झूठ बोल रहा है, मैं वोट चोरी नहीं कर रहा हूं। ज्ञानेश कुमार ने बोला। ये बोल नहीं सकते हैं क्योंकि हमने जो आरोप लगाए हैं वो बिल्कुल सही हैं। बीजेपी के नेता 2-2 राज्यों में वोट कर रहे हैं। मोदी और अमित शाह चुनाव नहीं जीतते हैं, वोट चोरी करके चुनाव जीतते हैं।

इंस्टा, रील और फेसबुक 21वीं सदी का नशा है

राहुल गांधी ने आगे कहा, ये लोग अडाणी, अंबानी के लिए काम करते हैं। हम किसान और मजदूरों के लिए काम करते हैं। हम चाहते हैं युवाओं को रोजगार मिले वो आगे बढ़ें। आपके प्रधानमंत्री बिहार आए, उन्होंने आपसे क्या कहा। उन्होंने कहा कि बीजेपी की सरकार में डेटा कम कर दिया है कि आप रील बना सकते हो।

राहुल बोले- मोदी के खून में नफरत है

राहुल ने लोगों से पूछा, आपका मूड कैसा है। हिंदुस्तान में 2 विचारधाराओं की लड़ाई है। एक तरफ RSS जो जाति, भाषा, महिला-पुरुष को बांटना चाहता है। दूसरी तरफ कांग्रेस पार्टी महागठबंधन जो देश को जोड़ना चाहता है। हर धर्म और जाति जोड़ना चाहता है।

मैंने 4 हजार किलोमीटर यात्रा की। उसका एक ही मकसद था। नफरत के बाजार में मोहब्बत की दुकान खोलना। वो कहते हैं नफरत फैलाना है। यही राजनीति चल रही है। नरेंद्र मोदी में उनके खून में उनकी सोच में नफरत है। वो बांटना चाहते हैं नफरत फैलाना चाहते हैं। मेरे खून में मोहब्बत है। हम दोनों में ये फर्क है। नफरत से उनको क्या मिलता है। इससे इनको देश का धन मिलता है। जनता का ध्यान भटकाते हैं। जनता को डराते हैं। जब जनता डरती है तो सही सवाल नहीं पूछती है। बिहार की राजनीति में 3-4 सवाल हैं। पहला देश के युवा को रोजगार क्यों नहीं मिल रहा है। दूसरा बिना शिक्षा कॉलेज के कैसे मिलेगा। तीसरा बिहार में यूनिवर्सिटी बेची जा रही है या बंद हो रही है। बिहार का युवा दूसरे प्रदेशों में मजदूरी कर रहा है।

संपादकीय

बिना बीमा वाले वाहनों पर लगाम की तैयारी

यह अच्छा है कि सरकार बिना बीमा वाहन चलाने की प्रवृत्ति पर लगाम लगाने की तैयारी कर रही है. इसके लिए इंश्योरेंस इन्फार्मेशन ब्यूरो बनाया जा रहा है, जहां सभी वाहनों का डाटा होगा. इस ब्यूरो के जरिये जिन वाहनों का बीमा नहीं पाया जाएगा, उनके मालिकों को चेतावनी संदेश भेजा जाएगा और उस पर ध्यान न देने वालों पर जुर्माना लगाया जाएगा. ऐसा किया ही जाना चाहिए, लेकिन यह ध्यान रहे कि बात तब बनेगी, जब बीमा रहित वाहन चलाने वालों के खिलाफ सचमुच कठोर कार्रवाई की जाएगी. चूंकि अभी ऐसा नहीं किया जाता, इसलिए बड़ी संख्या में लोग बीमा खत्म होने के बाद भी उसके बगैर वाहन चलाते रहते हैं. यह स्थिति यही बताती है कि अपने देश में आवश्यक नियम-कानूनों का पालन न करने की प्रवृत्ति कायम है. यह प्रवृत्ति सब चलता है वाले रवैए को ही बयान करती है. यह प्रवृत्ति वाहन मालिकों के साथ-साथ सरकारी तंत्र की ढिलाई का भी नतीजा है.

यह ढिलाई किस बड़े पैमाने पर बरती जा रही है, इसका पता इससे चलता है कि सुप्रीम कोर्ट में पेश किए गए एक आंकड़े के अनुसार देश में 50 प्रतिशत से अधिक वाहन बिना बीमा के चलाए जाते हैं. जब कभी बिना बीमा वाले वाहन दुर्घटना से दो-चार होते हैं, तब वाहन स्वामी के साथ हादसे के शिकार व्यक्ति को भी अतिरिक्त मुसीबत का सामना करना पड़ता है. अपने देश में मार्ग दुर्घटनाओं और उनमें मरने एवं घायल होने वालों की संख्या बढ़ती ही चली जा रही है. बिना बीमा वाहन चलाने वाले दुर्घटना की स्थिति में अपने साथ-साथ दूसरों को संकट में ही नहीं डालते, मुकदमेबाजी का कारण भी बनते हैं. ऐसे लोग इससे बेपरवाह रहते हैं कि उनके वाहन का बीमा न पाए जाने पर उन्हें जुर्माना भरना पड़ सकता है. इस बेपरवाही के मूल में है जुर्माने की राशि अधिक न होना और पकड़े जाने पर कुछ ले-देकर या रौब जमाकर छूट जाने का भरोसा होना. नियम-कानूनों की अनदेखी तभी होती है, जब उनके पालन का तंत्र निष्प्रभावी या नाकाम होता है. अपने देश में ऐसा हर क्षेत्र में होता है. इसी कारण सार्वजनिक सुरक्षा खतरे में पड़ती रहती है और बढ़ते सड़क हादसों पर लगाम नहीं लग पा रही है. आवश्यक केवल यह नहीं कि बिना बीमा वाहन न चलने दिए जाएं, बल्कि यह भी है कि अकुशल चालकों, खटारा वाहनों, खराब सड़कों के साथ-साथ यातायात नियमों की अवेहलना के चलते होने वाली सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाई जाए.

अत्यंत गरीबी का निर्मूलन कैसे होता है ?

देश के प्रधानमंत्री और उनके तमाम मंत्री बिहार में चुनाव जीतने के लिए टेंट लगाकर बैठे हैं. इसी बीच, देश के एक कोने से एक उम्मीद जगाने वाली खबर आई है. केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन ने घोषणा की कि केरल राज्य में अब कोई भी अत्यंत गरीब नहीं रहा. उनका दावा है कि ऐसा करने वाला केरल भारत का पहला राज्य है. यह न केवल केरल के लिए, बल्कि पूरे भारत के लिए गर्व की बात है.

इसके लिए केरल मंत्रिमंडल को सम्मानित किया जाना चाहिए. केरल में कम्युनिस्ट सरकार है. सरकार चाहे किसी की भी हो, ऐसी उपलब्धि हासिल करने वालों की पीठ थपथपाई जानी चाहिए. क्या भाजपा शासित एक भी राज्य का मुख्यमंत्री ऐसी घोषणा कर सकता है? संभव नहीं. बिहार में चुनाव का मौसम चल रहा है. बिहार और ओडिशा समेत कई राज्यों की केंद्र से लगातार मांग रहती है कि हमारे गले में 'बीमारू' यानी पिछड़ा, कमजोर राज्य की तख्ती लटका दी जाए. खुद पैर पसारे बैठे रहना. केंद्र की निधि ठेकेदारों के माध्यम से हजम करना, फिर विपक्ष के नाम पर पत्थर फोड़ना. ऐसे माहौल में केरल में अब कोई भी अत्यंत गरीब नहीं रहा, यह घोषणा करना बहुत बड़ी बात है. केरल में वहां की सरकार को इसके लिए कुछ खास नहीं करना पड़ा.

योजनाओं के लिए स्वीकृत धनराशि योजनाओं पर ही खर्च की गई. केरल सरकार ने २०२१ में 'अत्यंत गरीबी निर्मूलन परियोजना' शुरू की. इसके लिए ६४,००६ अत्यंत गरीब परिवारों की पहचान की गई. इन परिवारों को भोजन, वस्त्र, आश्रय और स्वास्थ्य संबंधी सहायता प्रदान की गई. नीति आयोग के एक अध्ययन के अनुसार, केरल की गरीबी दर देश में सबसे कम अर्थात ०.७ प्रतिशत है. सर्वेक्षण में कुल १ लाख *हजार ९९ लोग अत्यंत गरीब पाए गए. सरकार ने इन लोगों पर विशेष रूप से कड़ी मेहनत की और उन्हें अत्यंत गरीबी से मुक्त किया.

फिनलैंड में प्रस्ताव भारतीय जनता पार्टी के पास लोगों को घोर गरीबी से मुक्ति दिलाने की योजना है. मोदी की सरकार उस योजना पर लगातार काम कर रही है. गरीबों के घरों पर बुलडोजर चढ़ाना, गरीबों को पूरी तरह से उजाड़ देना, बांग्लादेशी और रोहिंग्या घोषित कर लोगों में तनाव पैदा करना, सालाना दो करोड़ नौकरियां देने का वादा करने के बावजूद बेरोजगार स्नातकों से पकौड़े तलवाना, उन्हें रील बनाने के लिए प्रोत्साहित करना, यही उनकी गरीबी निर्मूलन योजना है. रील बनाना तो अब रोजगार का हिस्सा बन गया है. लोगों को इस अजब काम पर सरकार ने लगा दिया है. हिंदू-मुसलमान, भारत-पाकिस्तान के बीच तनाव पैदा करना और अंत में दंगे भड़काकर उस पर चुनाव जीतना, यही भाजपा सरकार के घोर गरीबी निर्मूलन के उपाय हैं. लोगों को धर्मांध, पागल करना यह उनकी गरीबी निर्मूलन का तरीका है. फिर सरकार नामक सफेद हाथी कर क्या रहा है, तो सरकारी खजाने की लूट कर रहा है. वहीं दूसरे देशों में क्या हो रहा है? फिनलैंड एक छोटा सा देश है. उनकी *८ वर्षीय युवा प्रधानमंत्री सना मरीन ने देश को छह दिन की बजाय चार दिन काम करने का प्रस्ताव दिया है. अब लोगों को हफ्ते में सिर्फ चार दिन काम करना होगा. इसके पीछे सरकार की मंशा है कि बाकी तीन दिन लोग अपने परिवार या गर्लफ्रेंड या बॉयफ्रेंड के साथ बिताएं, खुद को तरोताजा करें और नई ऊर्जा के साथ काम पर वापस लौटें. क्या भारतीयों के जीवन में खुशी के ऐसे पल आ सकते हैं? असंभव. 'लव जिहाद', 'लैंड जिहाद' जैसी अवधारणाओं के साथ लोगों के बीच जाना और 'हिंदू खतरे में हैं' कहकर 'मोदी को वोट दो' जैसा जहर फैलाना, यही पिछले दस-ग्यारह सालों से चल रहा है.

क्या अब जागेंगे स्थानीय निकाय?

यह स्वागत योग्य तो है कि सुप्रीम कोर्ट ने स्कूलों, अस्पतालों, हाईवे, रेलवे स्टेशनों और अन्य सार्वजनिक स्थानों से आवारा कुत्तों को हटाने का निर्देश पारित कर दिया, लेकिन बात तब बनेगी, जब ऐसा वास्तव में हो सके. चूंकि शीर्ष कोर्ट ने आवारा कुत्तों के साथ बेसहारा पशुओं को भी सार्वजनिक स्थलों से हटाने का निर्देश दिया है, इसलिए यह सहज ही समझा जा सकता है कि स्थानीय निकायों की चुनौती बढ़ गई है. अभी उनके पास इतने संसाधन ही नहीं हैं कि वे यह काम कर सकें. संसाधनों के अभाव के साथ ही उनके पास इच्छाशक्ति भी नहीं है. इसका प्रमाण यह है कि सुप्रीम कोर्ट ने यह पाया था कि इसी संदर्भ में उसके पहले के आदेश पर अधिकतर राज्यों ने अपना जवाब ही दाखिल नहीं किया. इसी कारण उसे राज्यों के मुख्य सचिवों को तलब करना पड़ा. सुप्रीम कोर्ट ने आवारा कुत्तों और बेसहारा पशुओं को हटाने के साथ ही उनका टीकाकरण, बंध्याकरण करने और उनके लिए विशेष बाड़े एवं आश्रयस्थल बनाने का भी आदेश दिया है. यह सब होना ही चाहिए, लेकिन तथ्य यह है कि देश के कई प्रमुख शहरों में भी आवारा कुत्तों और बेसहारा पशुओं के लिए

आश्रयस्थल नहीं हैं. स्पष्ट है कि सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर अमल होना एक टेढ़ी खीर है. यह ठीक है कि उसने आठ सप्ताह बाद अपने आदेश के अमल की स्थिति पर रिपोर्ट मांगी है, लेकिन आशंका यही है कि आवारा कुत्तों और बेसहारा पशुओं को हटाने के उसके आदेश का पालन करने के नाम पर दिखावटी कार्रवाई हो सकती है. यदि ऐसा होता है तो समस्या जस की तस रहने वाली है. अच्छा हो कि सुप्रीम कोर्ट इस पर निगाह रखे कि उसके आदेश पर सही तरह अमल हो रहा है या नहीं? यह इसलिए आवश्यक है, क्योंकि उसके ऐसे कई आदेशों पर अब तक अमल नहीं हो सका है. इनमें से एक यातायात में बाधक धार्मिक स्थलों को हटाने का आदेश है. आवारा कुत्तों और बेसहारा पशुओं को सार्वजनिक स्थलों से हटाने के सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर सही तरह अमल तब तक संभव नहीं, जब तक राज्य सरकारें गंभीरता का परिचय नहीं देतीं. सुप्रीम कोर्ट आवारा कुत्तों की समस्या पर कितनी भी सख्ती का परिचय दे, राज्यों का रवैया यही बताता है कि उनकी नजर में यह कोई बड़ी समस्या नहीं. उनका यही रवैया बेसहारा पशुओं को लेकर भी है. राज्य सरकारों का ऐसा ढुलमुल रवैया तब है, जब आवारा कुत्ते और बेसहारा पशु दुर्घटनाओं का कारण बनते रहते हैं.

अटल सेतु बना 'भ्रष्टाचार का सेतु'

18,000 करोड़ रुपए की लागत से बना देश का सबसे महंगा समुद्री पुल 'अटल सेतु' भ्रष्टाचार का सेतु साबित हुआ है. उद्घाटन के महज डेढ़ साल पुल की सड़क पर दरारें, उखड़ी सतह और मरम्मत के गड्ढे दिखने लगे हैं. एमएमआरडीए ने अब पुल की सतह की मरम्मत का काम शुरू किया है, लेकिन जनता इसे मरम्मत नहीं, बल्कि मूर्ख बनाने की कवायद बता रही है. सोशल मीडिया पर नागरिकों ने खुलकर गुस्सा जताया है. कोई इसे करोड़ों का लूट कह रहा है, तो कोई वारंटी अवधि में ढही इंजीनियरिंग बता रहा है. आईआईटी मुंबई के विशेष मार्गदर्शन की दुहाई देकर एमएमआरडीए अपनी छवि बचाने की कोशिश में है. अब लोग इस स्थिति में ठेकेदारों व अफसरों पर मुकदमा दर्ज करने की मांग की है. बताया गया कि नई मुंबई की ओर जाने वाले मार्ग पर भारी वाहनों से १०.४ किमी हिस्से में घिसावट पाई गई थी. मानसून में अस्थाई मरम्मत के बाद अब आईआईटी मुंबई के विशेषज्ञ मार्गदर्शन में फिर काम शुरू हुआ है. अब जनता पूछ रही है कि जब पुल को विश्वस्तरीय गुणवत्ता वाला बताया गया था तो इतनी जल्दी मरम्मत की नौबत क्यों आई?

ट्रोल हो रहा एमएमआरडीए एक्स यूजर राहुल ने लिखा है कि पुल को खुले हुए डेढ़ साल भी नहीं हुए इसलिए ठेकेदारों पर जुर्माना लगाओ. देवेश जोशी ने तंज भरे शब्दों में पोस्ट किया है कि १७,००० करोड़ का पुल एक साल में टूट गया? ठेकेदार से मुफ्त में मरम्मत कराओ. तुषार मेहता ने लिखा है कि एकदम नया पुल है और मरम्मत को उपलब्धि बताई जा रही है. इन्हें शर्म आनी चाहिए. गौरव सेक्युलर ने सवाल किया है कि आईआईटी मुंबई के 'विशेषज्ञ मार्गदर्शन' का नाम लेकर निकृष्ट काम क्यों छिपा रहे हो? एक यूजर ने लिखा है कि जनता का पैसा बर्बाद हुआ है, इसलिए एमएमआरडीए और ठेकेदारों पर आपराधिक मामला दर्ज होना चाहिए. एचवी भारत ने लिखा है कि जो कंपनी पुल बना रही थी, उसे १०० साल के लिए बैन कर देना चाहिए. 'दुनिया में कोई भी देश ऐसा भ्रष्टाचार सहन नहीं करेगा!' दुनिया के किसी भी देश में इस तरह का भ्रष्टाचार सहन नहीं किया जाएगा. फेकनाथ मिंधे और भाजपा के शासनकाल में इतना भ्रष्टाचार हुआ है कि अटल सेतु का सड़क कार्य भी इससे अछूता नहीं रहा.

राशिफल

■ **मेष**: आपका दिन मिलाजुला रहेगा, लेकिन कुछ अच्छे संकेत भी हैं. सुबह के समय थोड़ी भागदौड़ या तनाव महसूस हो सकता है, पर दोपहर के बाद हालात अपने आप सुधर जाएंगे. कामकाज में मेहनत रंग लाएगी. ऑफिस में आपकी बातों को लोग गंभीरता से लेंगे.

■ **वृषभ**: आपका मूड अच्छा रहेगा और मन में नई ऊर्जा महसूस होगी. कोई रुका हुआ काम अचानक पूरा हो सकता है. घर का माहौल भी खुशनुमा रहेगा. रिश्तों में मिठास आएगी–खासकर किसी पुराने साथी से मुलाकात या मैसेज मिल सकता है.

■ **मिथुन**: आप बहुत एक्टिव रहेंगे. दिमाग में ढेर सारे नए आइडिया आएंगे और आप खुद को बेहतर करने की कोशिश करेंगे. किसी नए प्रोजेक्ट या काम की शुरुआत के लिए दिन बढ़िया है. नौकरी वाले लोगों को आज किसी सीनियर से तारीफ मिल सकती है.

■ **कर्क**: आपका ध्यान घर और परिवार पर ज्यादा रहेगा. कुछ जरूरी जिम्मेदारियां निभानी पड़ सकती हैं. अगर किसी से पुराने समय की कोई बात चल रही थी तो आज उसका हल निकल सकता है. काम में थोड़ा दबाव रहेगा लेकिन आप संभाल लेंगे.

■ **सिंह**: आपको मेहनत के साथ-साथ संयम भी रखना होगा. आज दिन थोड़ा भारी लग सकता है क्योंकि जिम्मेदारियां बढ़ेंगी. काम के दबाव में गुस्सा आ सकता है, लेकिन शांत रहना ही आपके लिए अच्छा रहेगा. पैसा आएगा लेकिन उसी के साथ खर्चे भी बढ़ेंगे.

■ **कन्या**: आपका आत्मविश्वास बढ़ेगा. किसी पुराने अटके काम में सफलता मिलने के योग हैं. आज आप जो भी प्रयास करेंगे, उसका अच्छा फल जल्द मिलेगा. ऑफिस में सीनियर्स आपसे खुश रहेंगे. दोस्तों से मुलाकात हो सकती है.

■ **तुला**: आप पूरे जोश में रहेंगे. दिन की शुरुआत कुछ सकारात्मक खबरों से हो सकती है. ऑफिस या बिजनेस में नए मौके मिल सकते हैं. अपनी योजनाओं को आगे बढ़ाने का सही समय है. आज आप जो भी निर्णय लेंगे, वह आने वाले समय में फायदेमंद रहेगा. रिश्तों में भरोसा बढ़ेगा और प्यार भरी बातचीत हो सकती है.

■ **वृश्चिक**: यह दिन खुशनुमा रहेगा. कामकाज में प्रगति होगी और आत्मविश्वास बढ़ेगा. किसी महत्वपूर्ण व्यक्ति से मुलाकात आपके भविष्य के लिए फायदेमंद रहेगी. पैसों की स्थिति बेहतर होगी, लेकिन खर्चों पर थोड़ा नियंत्रण रखें.

■ **धनु**: काम का दबाव बढ़ सकता है, लेकिन आप हर स्थिति को समझदारी से संभाल लेंगे. आपकी बातों का असर दूसरों पर रहेगा. पैसों को लेकर कुछ नई योजनाएं बनेंगी. ऑफिस में कोई नई जिम्मेदारी मिल सकती है, जिसे आप बखूबी निभाएंगे. घर में किसी बड़े-बुजुर्ग से सलाह लें.

■ **मकर**: आपकी मेहनत का रंग दिखने लगेगा. जिस चीज के लिए लंबे समय से कोशिश कर रहे थे, उसमें सफलता के संकेत मिलेंगे. आपका आत्मविश्वास बढ़ेगा. ऑफिस या बिजनेस में किसी बड़े व्यक्ति से मुलाकात फायदेमंद रहेगी. घर-परिवार में भी माहौल अच्छा रहेगा. रिश्तों में भरोसा मजबूत होगा.

■ **कुंभ**: थोड़ा संभलकर चलना होगा. मन किसी पुराने झगड़े या चिंता में उलझ सकता है. किसी बात को लेकर ओवरथिंकिंग से बचें. आज नए काम की शुरुआत करने से पहले अच्छे से सोच लें. परिवार के लोग आपका साथ देंगे, बस अपनी बात शांति से रखिए. पैसों को लेकर कोई छोटा फैसला लेने का मौका मिलेगा, लेकिन जल्दबाजी में न करें.

■ **मीन**: आपका मन भावुक रहेगा. पुरानी यादें या कोई पुराना रिश्ता फिर से दिमाग में घूम सकता है. आज किसी बात पर भावनाओं में बहने से बचें. कामकाज में ध्यान लगाइए, नहीं तो छोटी गलतियाँ हो सकती हैं. परिवार का साथ मिलेगा.

मुंबई मनपा में पार्किंग की समस्या

मुंबई महानगरपालिका मुख्यालय के पास की अधिकांश जमीन मेट्रो रेल के अधीन हो गई है. इस वजह से वहां वाहन पार्किंग के लिए जगह नहीं बची है. पहले, मनपा मुख्यालय के आस-पास के क्षेत्र में पार्षदों की गाड़ियां पार्क की जाती थीं. लेकिन मेट्रो रेलवे के कई प्रवेश द्वार इसी क्षेत्र से निकलते हैं, अब इस क्षेत्र में गाड़ियां पार्क करने की समस्या और बढ़ गई है.

मुख्यालय परिसर में पार्क होती थीं २०० से अधिक कारें: मेट्रो रेलवे का प्रवेश द्वार भी मनपा मुख्यालय के पास फुटपाथ पर बना दिया गया है. नगर निगम मुख्यालय में लगभग २२७ कारों की पार्किंग की व्यवस्था होती थी. राजनीतिक कार्यक्रमों के दौरान यह समस्या और भी बढ़ जाती है. मुख्यालय परिसर में कम से कम २०० से अधिक कारें पार्क होती हैं. ये कारें मनपा मुख्यालय और जिमखाना के सामने खुली जगह पर खड़ी पार्क होती थीं, और कुछ कारें कार्यक्रम समाप्त होने तक फुटपाथ पर खड़ी पार्क होती थीं. लेकिन अब जब ये जगह खाली हैं, इसलिए मनपा प्रशासन के लिए पार्षदों के वाहनों की पार्किंग की समस्या एक गंभीर सवाल बन गई है. कम से कम तीन सौ कारों के लिए पार्किंग स्थान की आवश्यकता है.

मनपा को उपलब्ध करानी होगी *०० वाहनों के लिए पार्किंग: महापौर, मुंबई मनपा आयुक्त और अतिरिक्त आयुक्त के वाहनों के लिए नए मुख्यालय भवन के भूतल में पार्किंग की व्यवस्था है. जबकि अन्य अधिकारियों के वाहन दोनों भवनों के बीच और कुछ आसपास पार्क किए जाते हैं. इन वाहनों की संख्या लगभग १०० है. इसके अलावा नगरसेवकों के वाहन भी मनपा मुख्यालय में आएंगे, इसलिए मनपा को तीन सौ वाहनों के लिए पर्याप्त पार्विâग की जगह उपलब्ध करानी होगी. मनपा के चुनाव के बाद पार्किंग की समस्या और भी गंभीर हो जाएगी. इसलिए आसपास के इलाकों में जगह तलाशने का काम चल रहा है, और मेट्रो सिनेमा, आजाद मैदान, जीपीओ, खादी ग्रामोद्योग के कुछ इलाकों में जगह आरक्षित करनी पड़ेगी. फिलहाल यहां पार्विâग के लिए जगह की तलाश जारी है.

बिहार चुनाव में होगा भाजपा का पराभव!

भाजपा ने पिछले २० वर्षों से बिहार की स्थिति को बद से बदतर कर दिया है. ऐसे में मुझे लग रहा है कि बिहार की जनता बदलाव चाहती है. अब अगर बिहार में भाजपा की सरकार जाती है व कोई नई सरकार बनती है तो इसमें कोई आश्चर्य की बात नहीं है. ऐसा मत एनसीपी नेता शरद पवार ने व्यक्त किया. अकोला में जन संवाद कार्यक्रम के दौरान उन्होंने मीडिया से बातचीत की. उन्होंने बिहार के चुनावों पर भी टिप्पणी करते हुए कहा कि भले ही मैं बिहार में प्रचार के लिए नहीं गया, लेकिन मैं लगातार संपर्क में हूं. उन्होंने कहा कि बिहार एक अलग तरह का राज्य है कि वहां गरीबी है, लेकिन राजनीतिक रूप से बिहार जितनी जागरूकता अन्य राज्यों में नहीं है. महात्मा गांधी ने भी अपना आंदोलन बिहार से ही शुरू किया था. आपातकाल के समय जयप्रकाश नारायण ने भी बिहार से आंदोलन की शुरुआत की थी. राजनीतिक जागरूकता की कमी बिहार में बिल्कुल नहीं है.

पारंपरिक मछुआरों का विनाश काल शुरू

देश के पारंपरिक मछुआरों के लिए एक 'काला दिन' बन गया है. अखिल महाराष्ट्र मछुआरा कार्रवाई समिति ने आरोप लगाया है कि केंद्र सरकार द्वारा हाल ही में घोषित 'विशेष आर्थिक क्षेत्र (ईईजेड) में मत्स्य पालन के सतत दोहन नियम, २०२५ ने पूंजीपतियों और बड़ी कॉर्पोरेट कंपनियों के लिए भारतीय समुद्र में कानूनी रूप से प्रवेश का रास्ता खोल दिया है. इन नियमों ने गहरे समुद्र में मछली पकड़ने के दरवाजे अमीरों के लिए खोल दिए हैं, जिससे तट पर रहने वाले पारंपरिक मछुआरों का भविष्य अंधकार में है. समिति के अध्यक्ष देवेंद्र दामोदर तांडेल ने केंद्र पर पारंपरिक मछुआरों द्वारा प्रस्तुत सभी २२ सुझावों को अनदेखा किया जाने का आरोप लगाते हुए कहा, 'सरकार ने हमारे अधिकारों, भावनाओं और पीढ़ियों से चली आ रही जीवनशैली से मुंह मोड़ लिया है. यह अधिसूचना एक ऐसा कानून है जो बड़ी नावों को आजादी देता है और छोटे मछुआरों के अस्तित्व को खतरे में डालता है.' राज्य में मछली पकड़ने पर प्रतिबंध समिति के कार्यकारी अध्यक्ष बर्नार्ड डिमेलो ने बताया कि नवंबर २०२५ को केंद्र सरकार को एक ज्ञापन सौंपकर राज्य में मछली पकड़ने पर प्रतिबंध अवधि का कड़ाई से पालन कराने के लिए परिपत्र जारी करने की मांग की गई है, ताकि पर्स सीन जैसी अवैध फिशिंग पर नियंत्रण किया जा सके. समिति ने यह भी मांग की है कि ४ नवंबर को पारित अधिसूचना में तत्काल संशोधन किया जाए ताकि पारंपरिक मछुआरों के २२ सुझावों को इसमें शामिल किया जा सके और एक नई, निष्पक्ष अधिसूचना जारी की जा सके.

मंत्री गिरीश महाजन भी जमीन घोटाले में फंसे!

महाराष्ट्र की राजनीति में इस समय उप मुख्यमंत्री अजीत पवार के बेटे पार्थ पवार की जमीन खरीद का मामला चर्चा में है. आरोप है कि कोरेगांव पार्क स्थित १,८०० करोड़ रुपए की जमीन केवल *०० करोड़ रुपए में खरीदी गई. आश्चर्य तो यह है कि इसके लिए स्टांप ड्यूटी मात्र ५०० रुपए भरी गई है. इस बीच अब खबर आ रही है कि मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के करीबी माने जाने वाले मंत्री गिरीश महाजन ने भी हजारों करोड़ रुपयों का जमीन घोटाला किया है. इस मुद्दे पर शिवसेना के पूर्व सांसद उन्मेष पाटील ने भाजपा नेता और मंत्री गिरीश महाजन तथा विधायक मंगेश चव्हाण के भ्रष्टाचार और जमीन गबन के मामले उजागर करते हुए गंभीर आरोप लगाए हैं. इस बारे में उन्मेष पाटील ने आरोप लगाते हुए कहा कि पार्थ पवार द्वारा किया गया जमीन सौदा तो सिर्फ एक नमूना है. असली जमीन चोर तो गिरीश महाजन और मंगेश चव्हाण हैं. उन्होंने कहा कि भाईचंद हीराचंद रायसोनी पतसंस्था और अन्य माध्यमों के जरिए जमीन लूटने वाले गिरीश महाजन हैं. चालीसगांव में खनिज भूमि के गबन को लेकर उन्होंने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को शिकायत करते हुए इस मामले की जांच कराने की मांग भी की है. उन्होंने आगे सवाल उठाया कि गिरीश महाजन ११वीं–१२वीं में फेल व्यक्ति हैं. वे हजारों करोड़ रुपयों के मालिक वैâसे बन गए? उन्होंने कहा कि महाजन ने यह पैसा मेहनत से कमाया है या जनता को लूटकर, इसकी जांच होनी चाहिए. हजारों करोड़ की जमीनें इन लोगों ने कौड़ियों के दाम ले ली हैं. निकालेंगे 'लूट यात्रा' उन्मेष पाटील ने विधायक मंगेश चव्हाण पर भी गंभीर आरोप लगाए हैं. उन्होंने कहा कि चालीसगांव के एमआईडीसी क्षेत्र में सैकड़ों करोड़ रुपयों के खनिज वाली भूमि की चोरी मंगेश चव्हाण के द्वारा की जा रही है. पाटील ने आरोप लगाया कि मंगेश चव्हाण के माध्यम से चालीसगांव की लूट जारी है और इस पूरे घोटाले का पर्दाफाश करने के लिए वे 'लूट यात्रा' निकालने वाले हैं.

राष्ट्रबाण
सिवनी, सोमवार 10 नवंबर 2025

बैतूल राष्ट्रबाण

● मुलताई ● बैतूल बाजार ● आमला ● भैंसादंड ● सारणी ● बोरदई ● आठनेर

राहुल गांधी जी के विचारों और दूरदृष्टी से हमें नई ऊर्जा मिली: निलय डागा

पचमढ़ी में आयोजित संगठन सृजन अभियान में राहुल गांधी से मिले कांग्रेस जिला अध्यक्ष निलय डागा

भारत के विकास में कांग्रेस के योगदान पर केंद्रित एक विशेष पेंटिंग की भेंट

बैतूल| संवाददाता
rashtrabaan.in

संगठन सृजन अभियान के दौरान पचमढ़ी में कांग्रेस जिलाध्यक्ष निलय विनोद डागा ने अपने परिवार के साथ जननायक राहुल गांधी से मुलाकात की। यह मुलाकात कांग्रेस विचारधारा की नई ऊर्जा का प्रतीक बन गई। निलय डागा ने इस अवसर पर राहुल गांधी को भारत के विकास में कांग्रेस के योगदान पर केंद्रित एक विशेष पेंटिंग भेंट की। यह पेंटिंग उनकी धर्मपत्नी श्रीमती दीपाली डागा द्वारा स्वयं बनाई गई थी, यह पेंटिंग भारत के विकास में कांग्रेस पार्टी के योगदान और उसकी ऐतिहासिक भूमिका पर केंद्रित थी।

- दीपाली की यह पेंटिंग आज के दौर में कला का उत्कृष्ट उदाहरण

उल्लेखनीय है कि इस पेंटिंग में गांधीजी की विचारधारा और बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर के संविधान-निर्माण के योगदान को भी सम्मानपूर्वक स्थान दिया गया है। कांग्रेस का यह स्वर्णिम इतिहास स्वच्छ राजनीति के साथ देश की आत्मा की कहानी है। भारत के विकास की नींव रखने वाले नेताओं और उनके जनोन्मुख कार्यों को अपनी कला के माध्यम से अमर करना उनके लिए गर्व की बात है। यह पेंटिंग आज के दौर में कला का उत्कृष्ट उदाहरण है, बल्कि यह उस युग की सजीव झलक भी है जब भारत आत्मनिर्भरता, शिक्षा, विज्ञान और सामाजिक न्याय की दिशा में सशक्त रूप से आगे बढ़ा था।

- एक फ्रेम में उकेर दिया कांग्रेस का स्वर्णिम इतिहास

दीपाली डागा ने अपनी अद्भुत पेंटिंग के माध्यम से कांग्रेस के स्वर्णिम इतिहास को जीवंत रूप में प्रस्तुत किया है। यह पेंटिंग कांग्रेस शासन के दौरान हुए भारत के विकास, प्रगति और जनकल्याण के प्रतीकों को खूबसूरती से दर्शाती है। श्रीमती डागा ने बताया कि इस कलाकृति में उन्होंने भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू से लेकर डॉ. मनमोहन सिंह तक सभी कांग्रेस प्रधानमंत्रियों के योगदान को सजीव रूप में उकेरा है। कांग्रेस के शासनकाल में देश ने वैज्ञानिक, औद्योगिक और सामाजिक मोर्चों पर भी बड़ी छलांग लगाई। आधुनिक भारत में एयर इंडिया, बड़े-बड़े बांधों से लेकर हरित क्रांति, औद्योगिकीकरण और इसरो की स्थापना तक देश ने नए आयाम स्थापित किए। इंदिरा गांधी के काल में बैंकों के राष्ट्रीयकरण और आत्मनिर्भरता की दिशा में ऐतिहासिक कदम उठाए गए, वहीं राजीव गांधी ने देश को कंप्यूटर और संचार क्रांति की राह पर अग्रसर किया। लाल बहादुर शास्त्री के जय जवान जय किसान के नारे से देश का आत्मविश्वास बढ़ा, जबकि मनमोहन सिंह की नीतियों से भारत एजुकेशन के साथ ही विश्व अर्थव्यवस्था में एक मजबूत स्थान पर पहुंचा।

- पेंटिंग को राहुल गांधी से मिली सराहना

राहुल गांधी ने इस अदभुत पेंटिंग की सराहना करते हुए कहा कि यह कलाकृति भारत के विकास, संघर्ष और समृद्धि की सजीव झलक है। उन्होंने दीपाली डागा के प्रयास को कांग्रेस के स्वर्णिम इतिहास को सहेजने वाली एक प्रेरणादायक पहल बताया। उन्होंने दीपाली डागा को बधाई देते हुए कहा कि ऐसी रचनाएं आने वाली पीढ़ियों को देश के इतिहास और कांग्रेस के योगदान से जुड़ने की प्रेरणा देती हैं।

- संगठन निर्माण पर हुई सार्थक चर्चा

कांग्रेस जिलाध्यक्ष निलय विनोद डागा ने बताया कि राहुल गांधी जी से मुलाकात के दौरान संगठन, जनसेवा और राष्ट्र निर्माण जैसे विषयों पर सार्थक चर्चा हुई। उनके विचारों, नेतृत्व और दूरदृष्टि ने हमें नई प्रेरणा दी है। उन्होंने कहा कि राहुल जी से मुलाकात केवल राजनीतिक नहीं भावनात्मक रूप से भी बेहद प्रेरणादायक रही। उनके शब्दों ने हमारे भीतर सेवा, समर्पण और संघर्ष की नई चेतना जगाई है।

राहुल का बच्चों को दुलार

मंडला कांग्रेस जिला अध्यक्ष के बेटी नमिता और मान्या मर्सकोले के साथ फोटो भी खींचाई।

मंडला| संवाददाता
rashtrabaan.in

मंडला कांग्रेस जिला अध्यक्ष अशोक मर्सकोले जी ने कहा पचमढ़ी प्रवास के दौरान जननायक श्री राहुल गांधी जी से परिवार सहित भेंट का सौभाग्य मिला। मुलाकात के क्षणों में न औपचारिकता थी, न दूरी, बस अपनापन, स्नेह और वही आत्मीय मुस्कान जो दिल को छू जाए। बातों में वह सहजता थी जो अपनेपन का अहसास कराती है, और नजरों में वह विश्वास जो रिश्ते से भी गहरा जुड़ाव बना दे, यह मुलाकात सिर्फ एक स्मृति नहीं, बल्कि परिवार के लिए एक भावनात्मक अनुभूति बन गई।

1) दिग्विजय सिंह के पुत्र जयवर्धन सिंह उनकी पत्नी और बच्चों को पुरानी इंदिरा जी बुक पर ऑटोग्राफ दिया।

2) बैतूल जिला अध्यक्ष की पत्नी दीपाली निलय डागा राहुल गांधी को भेंट करने एक पेंटिंग लेकर पहुंची, जिसमें कांग्रेस शासनकाल के विकास कार्यों की झलक थी।

3) नर्मदापुरम जिला अध्यक्ष शिवाकांत गुड्डन पांडे और उनकी बेटी श्रीजी ने राहुल गांधी के साथ फोटो खिंचाई,

4) ग्वालियर कांग्रेस के जिला अध्यक्ष सुरेंद्र यादव के परिवार ने बताया वे राहुल गांधी से युवाओं और महिलाओं की समस्याओं पर सवाल पूछे।

6 दिन में इन विषयों पर हुए सत्र

* पहले दिन दलित और पंडित वर्ग की भागीदारी एवं अधिकारी सामाजिक न्याय,समान अवसर और संगठन में कमजोर वर्गों की भागीदारी बढ़ाने पर जोर।

* सेक्युलर पॉलिटिक्स, सोशल जस्टिस, लीडरशिप, चुनाव प्रबंधन, राजनीतिक विचार और मप्र की राजनीति।

* जेंडर सेंसिटाइजेशन सत्र का संचालन किया।

* जाति, संविधान और राजनीति पर गंभीर चर्चा।

* बहुसंख्यावादी और धर्मनिरपेक्षता।

* नागरिकता और अधिकार बनाम फ्रीबी कल्चर।

स्थायीकरण की मांग को लेकर अंशकालिक श्रमिक एकजुट

भारतीय मजदूर संघ के नेतृत्व में 17 को ज्ञापन देंगे अंशकालिक श्रमिक

बैतूल| संवाददाता
rashtrabaan.in

भारतीय मजदूर संघ से संबद्ध अंशकालिक श्रमिक संगठन नगरपालिका मजदूर संघ की बैठक शाहपुर में संपन्न हुई, जिसमें आगामी 17 नवंबर को जिला मुख्यालय बैतूल पर होने वाले ज्ञापन कार्यक्रम में सामूहिक रूप से शामिल होने का निर्णय लिया गया। बैठक में अंशकालिक श्रमिकों ने अपनी स्थायीकरण की मांग को लेकर रणनीति तय की।

अंशकालिक श्रमिक मजदूर संघ के शाहपुर ब्लॉक अध्यक्ष धर्मराज झारबडे ने बताया कि जिले के सभी अंशकालिक श्रमिक 17 नवंबर को बैतूल पहुंचकर अपनी आवाज उठाएंगे। उन्होंने कहा कि यह कर्मचारी 10 से 15 वर्षों से लगातार सेवाएं दे रहे हैं, फिर भी अब तक उन्हें स्थाई कर्मी नहीं बनाया गया है। विगत दिनों सहायक आयुक्त जनजाति कार्य विभाग बैतूल द्वारा जारी पत्र में यह जानकारी मांगी गई है कि कार्यालयों में स्वीकृत पदों से अधिक रखे गए चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों को बाहर किया जा सकता है, जिससे कर्मचारियों में असंतोष है। उन्होंने कहा कि भारतीय मजदूर संघ प्रदेश स्तर पर अंशकालिक कर्मचारियों की मांगों को प्रमुखता से उठा रहा है और आगामी ज्ञापन में इन मुद्दों को शामिल किया गया है। नगरपालिका के दैनिक वेतनभोगी कर्मचारियों के प्रतिनिधि राजेश यादव ने कहा कि दैनिक वेतनभोगियों को भी विनियमित किया जाना चाहिए और उन्होंने सभी श्रमिकों से अपील की कि वे बड़ी संख्या में बैतूल पहुंचकर अपनी उपस्थिति दर्ज कराएं।

इस अवसर पर धर्मराज झारबडे, राजेश यादव, बिहारी गंजाम, चंपा बाई, संगीता जैन, अंतराम रेवा, शंकर कहार, राजेश दायमा, पंकज वर्मा, बॉबी पांडे, गोलू वर्मा, पंकज परसाई, गोविंद कहार सहित अनेक कर्मचारी उपस्थित रहे।

न्यायोत्सव विधिक सेवा सप्ताह में दौड़ा बैतूल

शासकीय विधि महाविद्यालय बैतूल के छात्र विजय कुमरे रहे प्रथम

बैतूल| संवाददाता
rashtrabaan.in

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, जिला न्यायालय बैतूल द्वारा न्यायोत्सव विधिक सेवा सप्ताह के अंतर्गत रविवार 09 नवम्बर की सुबह प्रातः 6:30 बजे से एक प्रेरणादायक मैराथन रैली का सफल आयोजन किया गया। न्याय की सुलभ पहुंच और विधिक सेवा योजनाओं के व्यापक प्रचार-प्रसार के उद्देश्य से आयोजित इस रैली में न्यायिक अधिकारीगण, अधिवक्ता, विद्यार्थी एवं नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भागीदारी की।

रैली का प्रारंभ जिला न्यायालय परिसर से हुआ, रैली बस स्टैंड चौक, ईएम हुसैन पेट्रोल पंप, जिला अस्पताल, नेहरू पार्क, कारगिल चौक, अम्बेडकर, रैन बसेरा चौक, चौपाटी और पोस्ट ऑफिस होते हुए ऑडिटोरियम परिसर में संपन्न हुई। पूरे मार्ग में प्रतिभागियों ने न्याय सबके लिए, विधिक सेवा सबके द्वार जैसे जनत जागरूकता के नारे लगाए। इस अवसर पर शासकीय विधि महाविद्यालय, बैतूल के छात्र-छात्राओं और स्टाफ सदस्यों ने भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

मैराथन रैली में इन्होंने किया उत्कृष्ट प्रदर्शन

मैराथन रैली में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए शासकीय विधि महाविद्यालय, बैतूल के छात्र विजय कुमरे ने प्रथम स्थान प्राप्त कर संस्थान का गौरव बढ़ाया। द्वितीय स्थान न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी, जिला न्यायालय बैतूल के नयन जैन ने प्राप्त किया, जबकि तृतीय स्थान पर शासकीय विधि महाविद्यालय, बैतूल के प्राचार्य डॉ. हर्षवर्धन यादव रहे। रैली के समापन अवसर पर सभी विजेताओं को सम्मानित किया गया। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा आयोजित यह कार्यक्रम न्याय के प्रति जनजागरण और विधिक अधिकारों की जानकारी जन-जन तक पहुंचाने का एक सशक्त माध्यम साबित हुआ।

हमलापुर पार्क में वाईकर परिवार ने किया पौधारोपण

बैतूल| संवाददाता
rashtrabaan.in

शहर के सेवाभावी युवा नितेश वाईकर के जन्मदिन के अवसर पर इस वर्ष भी वाईकर परिवार ने लोकहित और जनहित कार्य कर जन्मदिन को एक अनोखी मिसाल बना दिया। सहयोगी पंकज डोंगरे ने बताया कि वर्षों से चली आ रही परंपरा को आगे बढ़ाते हुए देवेन्द्र वाईकर ने सपरिवार हमलापुर स्थित निर्माणाधीन पार्क में पौधारोपण किया। इस अवसर पर वार्ड पार्षद किरन खातरकर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। पर्यावरण संरक्षण की इस अनुकरणीय पहल में नितेश वाईकर के शुभचिंतकों और ईस्ट मित्रों ने भी शामिल होकर पौधे लगाते हुए हरियाली बचाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम के अंत में सभी ने नितेश को जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं। वाईकर परिवार ने इस प्रेरणादायी पहल में सहयोग देने वाले सभी साथियों का आभार व्यक्त किया।

रामपुर सब स्टेशन पर धरना प्रदर्शन आज

बिजली कटौती, जर्जर तारों और अवैध वसूली से त्रस्त

बैतूल| संवाददाता
rashtrabaan.in

शाहपुर ब्लॉक के ग्राम ढप्पा, टेमरा, रामपुर, सेहरा, भग्गूढाना, हाथीकुंड, बोंदरी, सितलझिरी, रामपुर खोखरा और काजरीढाना के सैकड़ों ग्रामीणों ने कलेक्टर से शिकायत कर बिजली कंपनी की लापरवाही पर गंभीर आपत्ति जताई है। ग्रामीणों ने बताया कि क्षेत्र में पिछले कई महीनों से लगातार बिजली कटौती, जर्जर तारों और लाइन फॉल्ट के कारण लोगों का जीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। किसानों को पम्प लाइन बंद होने से सिंचाई नहीं मिल पा रही, जिससे पीने के पानी की किल्लत और पशुपालन पर भी असर पड़ रहा है।

ग्रामीणों ने विशेष रूप से मौजूदा लाइनमैन की उदासीनता का मुद्दा उठाया, यह आरोप लगाया कि वह शिकायतों पर ध्यान नहीं देता, फोन नहीं उठाता और मौके पर कभी नहीं पहुंचता। इस कारण समस्या जस की तस बनी हुई है।

कलेक्टर को सौंपे गए पत्र में ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि 9 नवम्बर तक लाइनमैन को हटाकर किसी योग्य और सक्रिय कर्मचारी की अटैचिंग का लिखित आदेश जारी नहीं किया गया, तो वे 10 नवम्बर को सुबह 10 बजे से रामपुर सब स्टेशन पर शांतिपूर्ण धरना-घेराव करेंगे। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि आंदोलन पूरी तरह विधिसम्मत और शांतिपूर्ण रहेगा, लेकिन जब तक समस्याओं का समाधान नहीं होगा, तब तक वे धरना स्थल से नहीं हटेंगे।

पत्रकार हितों की मांग को लेकर ज्ञापन सौंपेंगे पत्रकार...

बैतूल। मध्य प्रदेश श्रमजीवी पत्रकार संघ जिला इकाई बैतूल के द्वारा प्रांतीय अध्यक्ष शलभ भदौरिया जी के निर्देशानुसार 11 नवम्बर को दोपहर 3 बजे जिला कलेक्टर कार्यालय बैतूल पहुंचकर मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा जाएगा। इस ज्ञापन में पत्रकारों के हितों से जुड़ी विभिन्न महत्वपूर्ण मांगों को शामिल किया गया है।

तहसीलदार के पटवारी बिना चांदा के किसान को चांद दिखा रहे हैं

नायब तहसीलदार पथौरिया ने बिना जांच के बना दी रील

क्या पटवारी अंतरिक्षयान बनकर गया था खेत में चांद देखने

सारणी| संवाददाता
rashtrabaan.in

सुखाढाना पंचायत अंतर्गत चोरडोगरी स्थित भूमि ख. नं. 23/1 में से 1100 वर्ग मीटर में किसान का अवैध कब्जा बताकर बिना जांच किए पटवारियों के भरोसे आवेदक रमेश सिंगारे के पक्ष में एकतरफा आदेश जारी कर दिया।

तहसीलदार पथौरिया को अपने घुसखोरों पटवारियों पर इतना भरोसा है कि जिस पटवारियों को खेत में चांदा ही नहीं मिल रहा हो उस पटवारी के भरोसे सीमांकन को आधार मानकर अवैध कब्जे का आदेश जारी कर दिया। जबकि किसान का ना कोई ब्यान लिया गया ना किसान के किसी गवाहों का ब्यान लिए बिना ही सीमांकन को आधार मान अपनी मनमानी करते हुए किसान पर जबरन अवैध कब्जा होना बताया गया और आवेदक रमेश सिंगारे के कथन अनुसार ही सारी प्रक्रिया पुरी कर दी गई जबकि सीमांकन के समय विवादित भूमि के आस पास के दर्जनों किसान सीमांकन के साक्षी हैं परंतु उक्त प्रकरण में आवेदक के समधी लक्ष्मीनारायण निवासी मलसिवनी की गवाही को साक्ष्य माना गया। तो क्या चोरडोगरी के लोग गवाह के काबिल भी ना थे जिनकी पंचनामा पर हस्ताक्षर थे और जो इस मेडबंदी के वास्तविक साक्षी थे आखिर उन्हें क्यों गवाह नहीं बनाया गया। क्यों

पटवारी समीर सिरसोदे ने मेढ़ो को आधार मानकर संपुर्ण सीमांकन किया गया। अगर इस सारे प्रकरण में अगर पैसों का लेन-देन ना हुआ हो तो कल एक साथ कलेक्टर एसडीएम और पटवारी अपने उस काबिल पटवारी को मौके पर लेकर आए और एक बार में वह पटवारी समीर सिरसोदे बिना खोजें ही चांदा दिखा दे अगर सच में उस पटवारी और तहसीलदार की काबिल सेना ने चांदा को आधार बनाकर खेत की नपती की थी तो फिर उस पटवारी को तो चांदा चांद की तरह दिख जाएगा आंतरिक्ष की तरह अब दोबारा ढुंढने की जरूरत ही नहीं पड़ेगी। और अगर पटवारी और कोटवार ने पैसे लेकर यह नपती की होगी तो इन्हें फिर से उड़नखटोला में सवार होकर चांद पर जाकर चांदा ढुंढना पड़ेगा।

क्या तहसीलदार पथौरिया नकली दस्तावेज के आधार पर सुना देते हैं फैसला

जब अनावेदक पत्रकार अशोक बारंगे ने सीविलसुट हेतू दस्तावेज मांगे गए तो अनावेदक को संपुर्ण सीमांकन की नकल प्रस्तुत नहीं की गई और जब दोबारा मांग की गई तो तहसील कार्यालय में कहां गया की नकल की नकल नही दी जाती उसलिए संपुर्ण प्रकरण की नकल में पटवारी प्रतिवेदन और मौका पंचनामा उपस्थित नही है और कहा गया की फोटो कॉपी लगी हुई है तो नकल की नकल कभी नहीं दी जाती तो क्या तहसीलदार ने संपूर्ण प्रकरण में नकली दस्तावेज के आधार पर संपूर्ण प्रकरण पर एक तरफा फैसला सुना दिया गया और अनावेदक अशोक बारंगे को तहसील कार्यालय में दोबारा खाली हाथ लौटा दिया गया।

सेवाभाव के रूप में मनाया जन्मदिन

बुजुर्गों और बच्चों के बीच पहुंची टीम, देहदान के लिए भरे फार्म

बैतूल| संवाददाता
rashtrabaan.in

बैतूल के सक्रिय समाजसेवी और स्प्रेडिंग स्माइल के संस्थापक अक्षय तातेड़ का जन्मदिन 8 अक्टूबर को सेवाभाव के रूप में मनाया। उनके साथ जुड़े सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने वृद्धा आश्रम, स्कूलों के बच्चों के अलावा ब्लाइंड स्कूल पाढर के विद्यार्थियों के बीच पहुंचकर जन्मदिन की खुशियां बांटी। सबसे पहले स्प्रेडिंग स्माइल की टीम संस्कार विद्या मंदिर पहुंची। यहां पर नन्हें बच्चों के बीच समाजसेवी अक्षय ने केक काटा। अक्षय ने स्कूल के सैकड़ों बच्चों को चाकलेट और उपहार भेंट किए। इससे नन्हें-मुन्ने बच्चों की खुशियों का ठिकाना न रहा। इसके बाद स्प्रेडिंग स्माइल की टीम उड़दन स्थित वृद्धा आश्रम पहुंची। यहां पर बुजुर्गों से आशीष लेकर अपने जन्मदिन की खुशियां बांटी। इसके बाद पाढर में स्प्रेडिंग स्माइल ग्रुप के संस्थापक अक्षय के साथ नेत्रहीन बच्चों के साथ केके काटकर उन्हें उपहार का वितरण किया। अपने जन्मदिन को यादगार बनाते हुए अक्षय तातेड़ ने रेडक्रास समिति के सचिव डॉ अरूण जयसिंग पुरे के कार्यालय पहुंचकर आठ साथियों के साथ देहदान का संकल्प लेकर फार्म भरा। उनके इस प्रयास की मुक्तकंठ से प्रशंसा की जा रही है। इसके अलावा स्प्रेडिंग स्माइल के सदस्यों ने समाजसेवी अक्षय तातेड़ के जन्मदिन पर रक्तदान भी किया।

राष्ट्रबाण
सिवनी, सोमवार 10 नवंबर 2025

सिवनी राष्ट्रबाण

● बरघाट ● छपारा ● धनोरा ● घंसौर ● केवलारी ● कुरई ● लखनादौन ● सिवनी ग्रामीण

एसडीएम पर लगे अतिक्रमण को बढ़ावा देने के आरोप

अनुविभागीय अधिकारी पर शासकीय भूमि पर अतिक्रमण को बढ़ावा देने का आरोप: सरकार की अतिक्रमण मुक्त मध्य प्रदेश नीति पर सवाल

सिवनी जिले के बरघाट तहसील में शासकीय भूमि पर अतिक्रमण के मामले में अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) संदीप श्रीवास्तव पर अतिक्रमण को बढ़ावा देने के आरोप लगे हैं। तहसीलदार न्यायालय द्वारा एक वर्ष पूर्व पारित बेदखली आदेश के बावजूद अधिकारी द्वारा कथित रूप से 'अवैध स्थगन आदेश' जारी किए जाने से प्रशासनिक पारदर्शिता पर प्रश्नचिह्न लग गया है। शिकायतकर्ता ने कलेक्टर से इस मामले में जांच और कार्रवाई की मांग की है।

राष्ट्रबाण सिवनी| संवाददाता
rashtrabaan.in

एक ओर मध्य प्रदेश सरकार अतिक्रमण मुक्त मध्य प्रदेश बनाने की मंशा रखती है, वहीं सिवनी जिले तहसील बरघाट के अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) संदीप श्रीवास्तव द्वारा कथित रूप से शासकीय भूमि के कब्जे में स्थगन आदेश देने का एक अजब गजब मामला सामने आया है। इस घटना ने प्रशासनिक अधिकारियों की कार्यशैली और सरकार की मंशा पर लीपापोती करने के आरोपों को जन्म दिया है।

तहसील न्यायालय का स्पष्ट आदेश, फिर भी एक साल बाद स्थगन

मामला तहसील बरघाट के अंतर्गत ग्राम सैलुआकला का है। यहां अभिषेक पिता शिवशरण प्रजापति निवासी कान्हीवाड़ा द्वारा राजस्व निरीक्षक मंडल बरघाट पटवारी प.ह.नं. 1 के खसरा नं. 16 (रकबा 7.42 हेक्टेयर मदः बड़े झाड़ का जंगल) में से रकबा 2.50 हेक्टेयर पर तार फेंसिंग लगाकर अतिक्रमण किया गया।

तहसीलदार न्यायालय का निर्णय प्रतिवेदन, पंचनामा, नक्शा और खसरा के आधार पर, राजस्व न्यायालय बरघाट ने दिनांक 14 अक्टूबर 2024 को प्रकरण क्र. 0011/अ-88/24-25 में आदेश पारित किया था। जिसमें दण्ड एवं बेदखली न्यायालय द्वारा अनावेदक अभिषेक प्रजापति के विरुद्ध 5 हजार रुपये का अर्थदण्ड अधिरोपित किया और साथ ही प्रश्नाधीन भूमि से बेदखल किए जाने का आदेश भी पारित किया था। जिसे हटाने की समयावधि में अनावेदक को आदेश पारित होने के 03 दिवस की समयावधि के भीतर अतिक्रमण हटाकर राजस्व न्यायालय को अवगत कराना था। ऐसा न करने पर अतिक्रमण को शासकीय साधनों द्वारा बलपूर्वक हटाया जाना था, जिसका खर्च भी अनावेदक से वसूला जाना था।

अनुविभागीय अधिकारी द्वारा अवैध स्थगन आदेश जारी

तहसील न्यायालय के इस स्पष्ट आदेश के ठीक एक वर्ष बाद, 04 नवंबर 2025 को न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) बरघाट द्वारा एक स्थगन आदेश जारी किया जाता है। जिसमें अनावेदक अभिषेक प्रजापति द्वारा लगभग एक वर्ष बाद न्यायालय तहसीलदार बरघाट के आदेश से दुखी होकर धारा 52 के तहत अनुविभागीय अधिकारी की न्यायालय में अपील प्रस्तुत कीया। जिसे अनुविभागीय अधिकारी राजस्व बरघाट द्वारा स्वीकार किया गया। अनुविभागीय अधिकारी राजस्व बरघाट द्वारा स्थगन आदेश में लिखा गया कि इस अपील के आधार पर, अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) संदीप श्रीवास्तव द्वारा स्थगन आदेश जारी किया गया।

कलेक्टर को शिकायत: अतिक्रमण को बढ़ावा देने का आरोप

इस स्थगन आदेश को लेकर महेश कुमार राय निवासी शास्त्री वार्ड, बालाजी नगर, बारापत्थर, सिवनी ने जिला कलेक्टर को लिखित शिकायत की है। शिकायत में सीधे तौर पर अनुविभागीय अधिकारी संदीप श्रीवास्तव पर गंभीर आरोप लगाए गए हैं। शिकायत में लिखा गया है कि संदीप श्रीवास्तव, अनुविभागीय अधिकारी बरघाट, शासन की भूमि पर अवैध कब्जा करने वाले व्यक्ति को प्रोत्साहित कर रहे हैं। उनका यह कार्य म.प्र. शासन की नीति (शासकीय भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराने) के विरोध में है। उन्होंने अवैध कब्जा हटाने की वैधानिक कार्यवाही को बिना वैधानिक आधार के अपने स्वार्थ की पूर्ति हेतु रोकने हेतु तत्काल में, बिना प्रकरण के गुण-दोषों के अवलोकन किये, अवैध स्थगन आदेश पारित किया है, जबकि अनावेदक ने प्रकरण में अतिक्रमण करना स्वीकार किया है। शिकायतकर्ता और स्थानीय लोगों का मानना है कि अनुविभागीय अधिकारी संदीप श्रीवास्तव का यह कदम कहीं न कहीं अतिक्रमण को बढ़ावा देने की दिशा में है, जो सरकार की %अतिक्रमण मुक्त मध्य प्रदेश% की नीति के खिलाफ है। यह देखना बाकी है कि जिला कलेक्टर इस गंभीर शिकायत पर क्या संज्ञान लेते हैं और शासकीय भूमि के अतिक्रमण को लेकर आगे क्या वैधानिक कार्यवाही की जाती है।

इनका कहना है

वहां पर फेंसिंग लगी हुई है, फेंसिंग को अतिक्रमण नहीं कह सकते। और उसी सरकारी भूमि से लगी कई अन्य लोगों की निजी भूमि भी है। और आगे भी बड़े देव जी का मंदिर भी बना हुआ है। वह सब भूमि का सीमांकन करवाया जाएगा। और उसमें देखते हैं कि जो आवेदक है जिसमें अपील लगाई है। और उसके अलावा किसी-किसी का अतिक्रमण करके रखा है। सभी का अतिक्रमण हटाया जाएगा। और ऐसा नहीं है खाली प्रजापति का ही अतिक्रमण हटाया जाएगा। और रही बात तहसीलदार की तो तहसीलदार ने एक साल पहले अतिक्रमण हटाया क्यों नहीं। जैसे मेरे संज्ञान में आया मेरे द्वारा स्थगन आदेश जारी किया गया।

– **संदीप श्रीवास्तव**, अनुविभागीय अधिकारी बरघाट

खेल मैदान में किसान सुखा रहे मक्का

खिलाड़ी हो रहे परेशान

राष्ट्रबाण सिवनी| संवाददाता
rashtrabaan.in

केवलारी विकासखंड का एकमात्र खेल मैदान इन दिनों किसानों के लिए अपनी फसल, खासकर मक्का सुखाने का केंद्र बन गया है, जिससे क्षेत्र के युवा और खिलाड़ियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। लगातार एक के बाद एक किसानों द्वारा फसल को सुखाने का काम खेल मैदान पर चल रहा है, जिसके अगले माह तक जारी रहने की आशंका है।

उपेक्षा का शिकार हुआ खेल मैदान

जानकारी के अनुसार, केवलारी का यह खेल मैदान लंबे समय से स्थानीय खेल विभाग और प्रशासन की उपेक्षा का शिकार है। इसका फायदा उठाकर किसान यहां खुलेआम अपनी फसल सुखा रहे हैं। खिलाड़ियों का कहना है कि वे इस मैदान का उपयोग आउटडोर एक्टिविटीज़, सामान्य खेल अभ्यास और पुलिस भर्ती जैसी प्रतियोगिताओं के लिए फिजिकल तैयारी हेतु करते हैं। लेकिन मैदान पर मक्का फैला होने के कारण उन्हें अभ्यास करने में भारी दिक्कत आ रही है।

जिला अधिकारी का आश्वासन भी बेअसर

क्षेत्रीय बच्चों ने बताया कि उन्होंने इस संबंध में खेल विभाग के जिला अधिकारी से शिकायत की थी। जिसके बाद अधिकारी ने जल्द ही संरक्षण का आश्वासन दिया था। हालांकि, आश्वासन के बावजूद मैदान को अतिक्रमण से मुक्त कराने या संरक्षित करने के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है। नतीजन, केवलारी का यह महत्वपूर्ण खेल मैदान लगातार अतिक्रमण का शिकार हो रहा है, जिससे पूरे क्षेत्र के युवाओं को अपनी शारीरिक तैयारी में गंभीर बाधाओं का सामना करना पड़ रहा है। युवाओं और खिलाड़ियों ने स्थानीय प्रशासन से मांग की है कि वह तत्काल हस्तक्षेप कर खेल मैदान को फसल सुखाने के काम से मुक्त कराए और भविष्य में ऐसे अतिक्रमण को रोकने के लिए ठोस कदम उठाए, ताकि यहां के बच्चे और युवा निर्बाध रूप से खेल और शारीरिक अभ्यास कर सकें।

सांसद और महापौर ने दी स्ट्रीट लाइट की सौगात

राष्ट्रबाण छिंदवाड़ा| संवाददाता
rashtrabaan.in

छिंदवाड़ा शहर के विभिन्न वार्डों में नगरपालिक निगम के माध्यम से 48 लाख की लागत से ट्यूबलर स्ट्रीट लाईट लगाये गये है। जिसका रविवार को सांसद बंटी विवेक साहू और महापौर विक्रम अहके ने विधिवत लोकार्पण किया। विदित हो की सांसद बंटी विवेक साहू से छिन्दवाड़ा शहर के जनप्रतिनिधियों एवं वार्डवासियों द्वारा लम्बें समय से उनके वार्डों में स्ट्रीट लाईट लगाने की मांग की जा रही थी। इस संबंध में सांसद श्री साहू ने महापौर विक्रम अहके से चर्चा करते हुये शहर के विभिन्न वार्डों में स्ट्रीट लाईट लगाने के लिए कहा था।

नगरपालिक निगम ने अपने निधि से विभिन्न वार्डों में ट्यूबलर स्ट्रीट लाईट लगवाये है। वार्डों में ट्यूबलर स्ट्रीट लाईट लग जाने से वार्डों में रौशनी हो गई है। जिससे वार्डवासियों को वार्डों में निवास करने और आवागमन करने में सुविधा होगी। इस अवसर पर प्रमुख रूप से मंडल अध्यक्ष नवीन बारस्कर, श्रीमती लीला बजोलिया आदि उपस्थित रहे।

एसडीएम ने किया गणना पत्रक के वितरण कार्य का निरीक्षण

छिंदवाड़ा। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी हरेंद्र नारायन के मार्गदर्शन में जिले में एसआईआर (विशेष गहन पुनरीक्षण) के अंतर्गत गणना फार्म वितरण का कार्य बीएलओ द्वारा घर-घर जाकर किया जा रहा है। इसी क्रम में आज विधानसभा क्षेत्र-123 अमरवाड़ा के मतदान केंद्र क्रमांक-343 में एसडीएम एवं रजिस्ट्रीकरण अधिकारी अमरवाड़ा हेमकरण धुर्वे द्वारा बीएलओ द्वारा मतदाताओं के घर-घर जाकर वितरित किये जा रहे गणना पत्रक के वितरण कार्य का निरीक्षण किया गया।

विधिक सेवा दिवस 09 नवम्बर 2025 के अवसर पर न्यायोत्सव विधिक सेवा सप्ताह अंतर्गत मैराथन एवं प्रदर्शनी का आयोजन

राष्ट्रबाण बालाघाट| संवाददाता
rashtrabaan.in

मप्र राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशानुसार 09 नवम्बर 2025 विधिक सेवा दिवस के अवसर पर दिनांक 09 से 14 नवंबर 2025 तक ''न्यायोत्सव'' विधिक सेवा सप्ताह मनाया जाना है। जिसका आगाज आज दिनांक 09 नवम्बर 2025 को प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्री प्राणेष कुमार प्राण की गरिमामयी उपस्थिति में ''मैराथन'' को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया गया।

उक्त ''मैराथन'' रानी दुर्गावती चौक पुलिस लाईन से प्रांरभ होकर

कलेक्ट्रेट रोड से अम्बेडकर चौक, काली पुतली चौक होते हुए जिला न्यायालय परिसर बालाघाट में समाप्त हुई। ''मैराथन'' विधिक सेवा प्राधिकरण के ध्येय वाक्य ''न्याय सबके लिए'' के उद्देश्य को सार्थक करते हुए अंतिम पंक्ति के व्यक्ति तक न्याय की पहुंच को सुनिश्चित करना है।

इस मैराथन में प्रधान न्यायाधीश कुटुम्ब न्यायालय बालाघाट पदमेश शाह, विशेष न्यायाधीश एट्रोसिटी रघुबीर प्रसाद पटेल, प्रथम जिला न्यायाधीश गौतम सिंह मरकाम, द्वितीय जिला न्यायाधीश डी.एन.सिंह, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट मनीष सिंह, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सतीश शर्मा, न्यायिक मजिस्ट्रेट श्रीमती तारा मार्को, अविनाश छारी, श्रीमती शिखा शर्मा, श्रीमती शीनी जैन, शुभम जैन, जिला विधिक सहायता अधिकारी श्री जीतेन्द्र मोहन धुर्वे, अधिवक्ता संघ अध्यक्ष श्री आनन्द बिसेन व अन्य अधिवक्तागण, जिला खेल संघ के पदाधिकारीगण एवं छात्र-छात्राएं, न्यायिक कर्मचारीगण, पैरालीगल वालेन्टियर्स तथा आमजन द्वारा उत्साहपूर्वक बढ़-चढ़कर भाग लिया। तत्पश्चात जिला विधिक सेवा प्राधिकरण बालाघाट में विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा संचालित योजनाओं के प्रचार-प्रसार एवं गतिविधियों से आमजन को अवगत कराने प्रदर्शनी का आयोजन किया गया।

कुम्हारी में शिविर लगाकर दी गई समाधान योजना की जानकारी

राष्ट्रबाण बालाघाट| संवाददाता
rashtrabaan.in

बालाघाट वृत्त अंतर्गत भरवेली विवरण केंद्र में अधीक्षण अभियंता अमित कुमार की उपस्थिति में ग्राम पंचायत कुम्हारी में समाधान योजना की जानकारी एवं लाभ के क्रियान्वयन हेतु शिविर का आयोजन किया गया।

शिविर में संबंधित ग्राम पंचायत के सरपंच, सचिव एवं लगभग 30 उपभोक्ताओं को मध्य प्रदेश सरकार द्वारा लागू की गई समाधान योजना के बारे में विस्तृत

जानकारी दी गई। शिविर में ग्राम पंचायत के 150 उपभोक्ताओं में से 05 उपभोक्ताओं द्वारा योजना का लाभ भी लिया गया। संबंधित क्षेत्र के सरपंच को लाभार्थियों की सूची भी उपलब्ध कराई गई। साथ ही अधीक्षण अभियंता अमित कुमार द्वारा सहायक अभियंता, कनिष्ठ अभियंता को निर्देशित किया गया कि वे इस योजना के सफल क्रियान्वयन हेतु ग्रामीणों को योजना के बारे मे अधिक से अधिक जानकारी से अवगत कराएं।

नक्सल प्रभावित क्षेत्र के विकास कार्यों के प्रस्तावों पर की गई चर्चा

द्वितीय चरण के 100 ग्रामों के विकास कार्यों के प्रस्ताव शीघ्र तैयार करने के निर्देश

राष्ट्रबाण बालाघाट| संवाददाता
rashtrabaan.in

बालाघाट जिले के नक्सल प्रभावित क्षेत्र के प्रथम चरण में चयनित 100 ग्रामों के विकास कार्यों को लेकर पुलिस महानिरीक्षक श्री संजय कुमार की अध्यक्षता में 09 नवंबर को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में अधिकारियों की बैठक आयोजित की गई और प्रस्तावित कार्यों पर चर्चा की गई। बैठक में दूसरे चरण के 100 ग्रामों के लिए भी शीघ्रता से डेवलपमेंट

प्लान तैयार करने के निर्देश दिए गए। बैठक में कलेक्टर मृणाल मीना, पुलिस अधीक्षक आदित्य मिश्रा, जिला पंचायत सीईओ अभिषेक सराफ, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आदर्श कांत शुक्ला, सहायक कलेक्टर आकाश अग्रवाल, अपर कलेक्टर डी पी बर्मन और अन्य विभागों के अधिकारी मौजूद थे।

बैठक में पुलिस महानिरीक्षक संजय कुमार ने अधिकारियों से कहा कि जिले के नक्सल प्रभावित क्षेत्र के प्रथम चरण में चयनित 100 ग्रामों के विकास कार्यों के प्रस्तावों को अंतिम रूप देकर शीघ्र प्रस्तुत किया जाये। जिससे इन प्रस्तावों को मंजूरी के लिए केन्द्र सरकार को समय सीमा में भेजा जा सकेगा। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि नक्सल प्रभावित क्षेत्र में सड़कों के सुधार, चौड़ीकरण एवं उन्नयन, पुल-पुलियों का निर्माण, स्कू ल, कृषि व उद्यानिकी के विस्तार, सिंचाई सुविधाओं के विस्तार, आंगनवाड़ी केन्द्र व उचित मूल्य दुकानों के भवन, बिजली की सुविधा, शुद्ध पेयजल की व्यवस्था, पानी में फ्लोराईड एवं आयरन की समस्या वाले ग्रामों में ट्रीटमेंट प्लांट का प्रस्ताव दिया जाये। इसके साथ ही नक्सल प्रभावित क्षेत्र के ग्रामों के भीतर की मुख्य गलियों की सड़कों का निर्माण भी इनमें शामिल किया जाये। नक्सल प्रभावित क्षेत्र के ग्रामों में सड़क, बिजली, शिक्षा, स्वास्थ्य एवं संचार सुविधाओं के विस्तार पर विशेष ध्यान देकर प्राथमिकता से कार्य करना है।

कप्यूटर वर्ल्ड
सेल्स एंड सर्विस
लैपटॉप, कम्प्यूटर, सी.सी.टी.वी कैमरा, होम थियेटर, प्रिंटर, लेमिनेशन, फोटो कॉपियर, नेटवर्किंग, प्रोजेक्टर, कॉर्टरेज रिफलिंग

संपूर्ण कम्प्यूटर ऐससरीज उपलब्ध
पुराने कम्प्यूटर व लैपटॉप उपलब्ध
संपर्क- बैनगंगा कॉम्प्लेक्स, बस स्टैंड, सिवनी, मो.न.-9302833332

ARPIT TVS
अधिक जानकारी के लिए संपर्क करे
7898723789
Infront of Reliance Petrol-pump, Jabalpur Road, Jyarat Naka, Seoni 480661 (M.P)

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक संजय बघेल द्वारा श्री सिद्धिविनायक प्रिंटर्स, प्लॉट नं. 26-बी, देशबंधु परिसर, प्रेस कॉम्पलेक्स, जोन-1, एमपी नगर भोपाल म.प्र से मुद्रित कराकर शिवनगर कॉलोनी सड़क मोहल्ला मरझोर जिला सिवनी से प्रकाशित।
RNI NO.: MPHIN/2015/72804 , **संपादक*** **संजय बघेल** पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। समस्त विवादों का निपटारा न्यायालयीन क्षेत्र सिवनी होगा। E-mail: rashtrabaan@gmail.com. mob: 7000427433